# वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली उत्तराखंड औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय

## कृषि मौसम प्रक्षेत्र इकाई, वानिकी महाविद्यालय

## रानीचौरी, टिहरी गढ़वाल-249199 (उत्तराखण्ड)

**फोन नंबर : 01376 - 252150**

## कृषिमौसम सलाह सेवा बुलेटिन, जनपद -पिथौरागढ़

**दिनांक- 08 फरवरी, 2019**

भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान आधारित ग्रामीण कृषि मौसम सेवा परियोजना के अंतर्गत मौसम केन्द्र, देहरादून से प्राप्त मौसम पूर्वानुमानित आँकड़ों के आधार पर उत्तराखण्ड के जनपद पिथौरागढ़ में अगले पाँच दिनो निम्न मौसम रहने की सम्भावना व्यक्त की जाती है:-

| **मौसम प्राचल** | **मौसम पूर्वानुमान अवधि** | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | **09-02-2019** (08 फरवरी सुबह 08:30 बजे से 09 फरवरी सुबह 08:30 बजे तक) | **10-02-2019** (09 फरवरी सुबह 08:30 बजे से 10 फरवरी सुबह 08:30 बजे तक) | **11-02-2019** (10 फरवरी सुबह 08:30 बजे से 11 फरवरी सुबह 08:30 बजे तक) | **12-02-2019** (11 फरवरी सुबह 08:30 बजे से 12 फरवरी सुबह 08:30 बजे तक) | **13-02-2019** (12 फरवरी सुबह 08:30 बजे से 13 फरवरी सुबह 08:30 बजे तक) |
| **वर्षा (मि.मी.)** | **8.0 मिमी. (हल्की)** | **0.0** | **0.0** | **2.0 मिमी. (बहुत हल्की)** | **2.0 मिमी. (बहुत हल्की)** |
| आसमान में बादल आच्छादन (ओक्टा: 0 से 8) 0 ओक्टा (पूरी तरह से साफ आसमान) 8 ओक्टा (पूरी तरह बादलों से घिरा आसमान) | 4 ओक्टा (कुछ भाग बादल) | 1 ओक्टा (मुख्यतः साफ आसमान) | 1 ओक्टा (मुख्यतः साफ आसमान) | 2 ओक्टा (मुख्यतः साफ आसमान) | 4 ओक्टा (कुछ भाग बादल) |
| अधिकतम तापमान (डिग्री सेल्सियस) | 14 | 16 | 18 | 20 | 20 |
| न्यूनतम तापमान (डिग्री सेल्सियस) | 3 | 4 | 6 | 7 | 8 |
| अधिकतम सापेक्षित आर्द्रता (%) | 85 | 80 | 80 | 80 | 80 |
| न्यूनतम सापेक्षित आर्द्रता (%) | 45 | 40 | 40 | 40 | 40 |
| वायु की औसत गति (कि.मी./घंटा) | 6 | 83 | 6 | 6 | 6 |
| वायु की दिशा | दक्षिण-पूर्व | उत्तर-पश्चिम | उत्तर-पश्चिम | उत्तर-पश्चिम | उत्तर-पूर्व |

**कृषि मौसम विज्ञान वेधशाला, रानीचौरी, टिहरी गढ़वाल** (समुद्रतल से ऊँचाई-1827 मीटर) के प्रेक्षण अनुसार विगत सप्ताह (02 से 08 फरवरी 2019 सुबह 08:30 तक); हल्के से घने बादल छाए रहने के साथ 41.3 मिमी. वर्षा के साथ ऊंचाई क्षेत्रों में बर्फवारी हुई| दिन का अधिकतम तापमान 8.4 से 16.1 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान -2.4 से 3.5 डिग्री सेल्सियस रहा| इस दौरान पूर्वाहन 07:16 बजे सापेक्षित आर्द्रता 53 से 100 प्रतिशत तथा अपराहन 14:16 बजे को 44 से 87 प्रतिशत के मध्य रही| हवा की औसत गति 3.2 से 8.2 किमी॰ प्रति घंटा रही| सप्ताह के दौरान हवा मुख्यतः दक्षिण-पूर्व व उत्तर-पूर्व दिशा से चली|

# किसानों हेतु मौसम आधारित कृषि सलाह

| फसल | अवस्था | कृषि मौसम सलाह समिति द्वारा किसानों हेतु कृषि सलाह |
|---|---|---|
| आलू<br>(ऊंचाई असिंचित क्षेत्र) | - | आगामी कुछ दिनों शुष्क मौसम रहने, 12-13 फरवरी को कुछ स्थानों पर बहुत हल्की बारिश होने व तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोत्तरी के पूर्वानुमान को ध्यान रखते हुए किसानों को सलाह है कि खेत की जुताई कम से कम 3 बार करें व प्रत्येक जुताई के बाद पाटा (*जोल*) अवश्य लगाएं| कंद बुवाई पूर्व मिट्टी परीक्षण करवाएं व संस्तुत मात्रा में ही उर्वरकों का प्रयोग करें| विश्वसनीय स्रोत से अच्छी गुणवत्ता व रोगरोधी प्रजातियों की खरीद करें| बीमारी से ग्रस्त आलू कंद का उपयोग कतई न करें| |
| सेब, नाशपाती, अखरोट, खुबानी, आड़ू<br>(शीतोष्ण फल) | नए कोंपले निकलना/गुलाबी कली | सेब, नाशपाती पर कलम (Grafting) का कार्य शीघ्र पूर्ण करें|<br>आड़ू पर गुलाबी कली अवस्था आने से पूर्व कलम (Grafting) लगाने का कार्य पूर्ण कर दें| |
| मशरूम उत्पादन | - | तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोत्तरी की सम्भावना को ध्यान रखते हुए सलाह है कि कमरों में दिन के समय फिलहाल हीटर न जलायें| मशरूम उत्पादित कमरों की खिडकियों पर जाली लगाकर रखें| कमरे में ≈75% आर्द्रता बनाकर रखें| |
| शहतूत वृक्ष<br>(रेशम पालन) | - | थाले बनाना व निराई कार्य का उचित समय है| आर्गेनिक कम्पोस्ट (8-10 टन/ हेक्टेयर) व N:P:K (25:25:25 किग्रा०/हेक्टेयर) की दर से थालों में मिला दें| |
| सरसों (घाटी क्षेत्र) | फूल | मधुमक्खी बॉक्स स्थापित करें जिससे परागण अधिक से अधिक हो सके| माहू कीट का प्रकोप हो तो *लेडीबर्ड बीटल* (कीट) द्वारा जैविक नियंत्रण करें| वयस्क *लेडीबर्ड बीटल* औसतन 10 से 15 वयस्क माहू कीट/दिन खा सकती है। |
| गेहूं, जौ, | वानस्पतिक बढ़वार | जिन किसानो ने बुवाई पश्चात यूरिया का उपयोग नहीं किया तथा फसल की उचित बढ़वार न हुई हो तो 1-2 दिन बाद उचित नमी रहने पर आधा से एक किग्रा० यूरिया प्रति नाली की दर से बुरकाव कर सकते हैं| |
| टमाटर, शिमला मिर्च, बैंगन, आदि<br>(घाटी क्षेत्र) | - | पौध पॉलीघरों में तैयार करें तथा कद्दूवर्गीय सब्जियों की अगेती फसल की पौध तैयार करने के लिए बीजों को प्रो ट्रे या छोटी पालीथीन के थैलों में भर कर पॉलीघरों में जमाव के लिए रखें। |
| पशुपालन | - | पशुओं को दोपहर के समय धूप में रखें| रात्री में खिड़की-दरवाजों को तिरपाल से अच्छी तरह बंद करें| ओस/पाला से भीगी घास को धूप में सुखाने के बाद उपयोग में लायें| कैल्शियम व खनिज मिश्रण पशुओं को आहार में अवश्य मिलाएं| |
| मुर्गी पालन | - | पशुचिकित्सक से परामर्श लेकर चूजों को एंटी-बायोटिक औषधि दें| फफूंद युक्त चारा न खिलाएं| मुर्गी बाड़े के अंदर रात्री के समय बल्ब जलाकर रखें व पीने के लिए गुनगुना पानी दें| |

**नोडल अधिकारी**
**कृषि मौसम प्रक्षेत्र इकाई, रानीचौरी**

**तकनीकी अधिकारी**
**कृषि मौसम प्रक्षेत्र इकाई, रानीचौरी**

---

**महत्वपूर्ण जानकारी**: जनपदस्तरीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान एवं कृषि मौसम सेवा बुलेटिन सप्ताह में मगलवार और शुक्रवार को जारी की जाती है| मौसम पूर्वानुमान व कृषि मौसम सेवा बुलेटिन को ईमेल, SMS, व्हट्सएप्प आदि पर निःशुल्क प्राप्त करने हेतु पंजीकरण/संपर्क करें-

**प्रकाश सिंह नेगी, तकनीकी अधिकारी, ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, मोबाइल/व्हट्सएप्प नंबर: 9410944889**

SMS हेतु मौसम विभाग की वेबसाईट पर ऑनलाइन पंजीकरण: http://imdagrimet.gov.in/farmer/Form.php